**1080516 - A2**

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

# Class - X
# कक्षा - X

## HINDI
## हिन्दी

## (Course B)
## ( पाठ्यक्रम ब )

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **14** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

**निर्देश :**

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।

## खंड 'क'

**1.** अपठित काव्यांश **5**

वह आता –
दो टूक कलेजे के करता पछताता
पथ पर आता ।
पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक
चल रहा लकुटिया टेक
मुट्ठी भर दाने को --- भूख मिटाने को
मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता --
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता ।
साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते,
और दाहिना दया – दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए ।
भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता – भाग्य – विधाता से क्या पाते ?
घूँट आँसूओं के पीकर रह जाते ?
चाट रहें जूटी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए ।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर लिखिए–

(क) इस काव्यांश का शीर्षक होगा – **1**

(i) गरीबी (ii) विषमता
(iii) भिक्षुक (iv) बेबसी

(ख) किस पर व्यंग्य किया गया हैं :– **1**

(i) सामाजिक विषमता पर (ii) आर्थिक न्याय पर
(iii) राजनीतिक सत्य पर (iv) मध्यवर्गीय जीवन पर

(ग) भिखारी की इच्छा हैं – **1**

(i) सोना पाने की (ii) पैसा पाने की
(iii) अनाज पाने की (iv) कपड़ा पाने की

(घ) बच्चे भिखारी के साथ क्यों हैं? **1**

(i) घूमने के लिए (ii) भीख माँगने के लिए

(iii) रास्ता ढूँढने के लिए (iv) पिता के साथ के लिए

(ङ) भिखारी के बच्चों से कुत्ते क्यों होड़ करते हैं । **1**

(i) जूठी पत्तल छीनने के लिए (ii) चिढ़ाने के लिए

(iii) लड़ने के लिए (iv) भगाने के लिए

**2.** अपठित काव्यांश

मैं तो मात्र मृत्तिका हूँ
जब तुम
मुझे पैरों से रौंदते हो
तथा हल के फाल से विदीर्ण करते हो
तब मैं –
धन – धान्य बनकर मातृरूपा हो जाती हूँ ।
जब तुम
मुझे हाथों से स्पर्श करते हो
तथा चाक पर चढ़ाकर घुमाने लगते हो
तब मैं –
कुंभ और कलश बनकर
जल लाती तुम्हारी अंतरंग प्रिया हो जाती हूँ ।
जब तुम मेले में मेरे खिलौने रूप पर
आकर्षित होकर मचलने लगते हो
तब मैं –
तुम्हारे शिशु हाथों में पहुँच प्रजारूपा हो जाती हूँ ।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से छाँटकर लिखिए –

(क) 'मुझे' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ हैं? **1**

(i) कंकर (ii) मिट्टी

(iii) पत्थर (iv) चूना

(ख) किसान मिट्टी को विदीर्ण करता है **1**

(i) प्रजा के भरण – पोषण के लिए (ii) खाद्यान्न उगाने के लिए

(iii) खनिज उगाने के लिए (iv) उपर्युक्त तीनों

(ग) मिट्टी अंतरंग प्रिया बन जाती हैं – 1

(i) जल का घड़ा लाती युवती के रूप में (ii) फसल उगाते किसान के रूप में

(iii) खिलौने बनाती युवती के रूप में (iv) कष्ट सहते किसान के रूप में

(घ) मिट्टी के प्रति कवि का कौन सा भाव प्रकट हुआ हैं । 1

(i) शान्त भाव (ii) श्रद्धा भाव

(iii) दया भाव (iv) वात्सल्य भाव

(ङ) कुंभ और कलश किसके प्रतीक हैं? 1

(i) प्रेम और पवित्रता के (ii) श्रद्धा और शुचिता के

(iii) सहनशीलता और स्वच्छता के (iv) अपनत्व और काल्पनिकता के

**3. अपठित गद्यांश** **5**

वास्तव में मनुष्य स्वयं को देख नहीं पाता । उसके नेत्र दूसरों के चरित्र को देखते हैं, उसका हृदय दूसरों के दोषों को अनुभव करता है । उसकी वाणी दूसरों के अवगुणों का विश्लेषण कर सकती है, किंतु उसका अपना चरित्र, उसके अपने दोष एवम् उसके अवगुण, मिथ्याभिमान और आत्म गौरव के काले आवरण में इस प्रकार प्रच्छन्न रहते हैं कि जीवन पर्यंत उसे दृष्टिगोचर ही नहीं हो पाते । इसीलिए मनुष्य स्वयं को सर्वगुण-संपन्न देवता समझ बैठता है । व्यक्ति स्वयं के द्वारा जितना छला जाता है, उतना किसी अन्य के द्वारा नहीं । आत्मविश्लेषण कोई सहज कार्य नहीं । इसके लिए उदारता, सहनशीलता एवम् महानता की आवश्यकता होती है । इसका तात्पर्य यह नहीं है कि आत्म विश्लेषण मनुष्य कर ही नहीं सकता । अपने गुणों – अवगुणों की अनुभूति मनुष्य को सदैव रहती है । अपने दोषों से वह हर पल अवगत रहता है, किंतु अपने दोषों को मानने के लिए तैयार न रहना ही उसकी दुर्बलता होती है और यही उसे आत्म-विश्लेषण की क्षमता नहीं दे पाती । उसमें इतनी उदारता और हृदय की विशालता ही नहीं होती कि वह अपने दोषों को स्वयं देखकर ठीक कर सके । इसके विपरित पर निंदा एवम् पर दोष दर्शन में अपना कुछ नहीं बिगड़ता, उल्टे मनुष्य आनन्द अनुभव करता है, परंतु आत्म विश्लेषण करके अपने दोष देखने से मनुष्य के अहंकार को चोट पहुँचती है ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प को चुनकर लिखिए ..

(क) मनुष्य स्वयं को देख पाने में असमर्थ है क्योंकि 1

(i) वह स्वयं को देखना नहीं चाहता

(ii) वह दूसरों में दोष ढूँढता है

(iii) केवल अहंकार के कारण दोषों को नहीं देख पाता

(iv) मिथ्याभिमान, आत्म गौरव के कारण नहीं देख पाता

(ख) आत्म-विश्लेषण के लिए क्या आवश्यक हैं - **1**

(i) हृदय की उदारता, सहनशीलता, महानता

(ii) हृदय की कोमलता, दब्बूपन

(iii) मन के उतार - चढ़ाव

(iv) गुणों - अवगुणों का अनुभव करना

(ग) पर निंदा में मानव आनन्द लेता है क्योंकि -- **1**

(i) अपनी कोई हानि नहीं होती

(ii) अहंकार को तृप्ति मिलती है

(iii) आनंद आता हैं

(iv) परनिंदा उसको सरल लगती है

(घ) मनुष्य के अहंकार को चोट पहुँचती है **1**

(i) आत्मविश्लेषण करने पर

(ii) स्वयं के दोष देखने पर

(iii) दूसरों में दोष ढूँढने पर

(iv) आत्मविश्लेषण करके स्वयं में दोष ढूँढने पर

(ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है - **1**

(i) सर्वगुण सम्पन्नता

(ii) सहनशीलता

(iii) आत्मविश्लेषण की कठिनाई

(iv) आत्मविश्लेषण की महानता

**4. अपठित गद्यांश** **5**

कहते हैं एक बार लक्ष्मी और विष्णु जा रहे थे । दोनों इस बहस में पड़ गए कि संसार की माया सत्य है या भगवान सत्य है । विष्णु जी कहने लगे भगवान सत्य है । लक्ष्मी कहने लगी संसार की माया सत्य है । दोनों ने तय किया कि संसार में जाकर ही उसकी परीक्षा की जाये कि दुनियावाले माया को सत्य मानते है या भगवान् को । दोनों में बाजी लगी कि भूलोक में चलें, वहाँ एक सेठ ने आलिशान मंदिर बनाया है, भगवान का भक्त है, मंदिर के साथ महात्माओं के ठहरने के लिए धर्मशाला बनी है । विष्णु जी वहाँ जाकर ठहरे । अगर लक्ष्मी जी उन्हें सेठ द्वारा उस कमरे से निकलवा दें, तो समझा जाएगा कि माया सत्य है, अगर विष्णु जी को लक्ष्मी जी न निकलवा सकीं तो समझा जाएगा कि भगवान् सत्य है । विष्णु जी ने सेठ जी से कहा हम एक मास का भगवद् भजन करने के

लिए तुम्हारी धर्मशाला में निवास करना चाहते हैं । सेठजी ने भगवद् भजन के लिए कमरा दे दिया और विष्णु जी भगवद् भजन करने लगे । कुछ दिन बाद लक्ष्मी जी वहाँ पहुँची और एक मास भगवान् का भजन करने के लिए सेठजी से उसी कमरे की माँग की जिसमें विष्णु जी ठहरे हुए थे । लक्ष्मी जी ने कहा कोई बात नहीं, उन्हें निकाल दो, हम तो उसी में आसन जमाएंगी, अगले दिन चली जाएंगी ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक हो सकता है : **1**

(i) सत्य का आभास

(ii) संसार का सत्य

(iii) माया का सत्य

(iv) भगवान् का सत्य

(ख) लक्ष्मी और विष्णु में बहस छिड़ी कि : **1**

(i) संसार में भगवान् सत्य है

(ii) संसार में माया सत्य है

(iii) संसार में रहने वाला मनुष्य सत्य है

(iv) माया और भगवान् में कौन सत्य है

(ग) विष्णु जी और लक्ष्मी जी ने क्या तय किया ? **1**

(i) पृथ्वी लोक में चलें

(ii) स्वर्ग लोक में चलें

(iii) कल्पना लोक में चलें

(iv) इन्द्रलोक में चलें

(घ) विष्णु जी ने भगवद् भजन के लिए समय माँगा : **1**

(i) छह मास

(ii) दस मास

(iii) एक मास

(iv) एक सप्ताह

(ङ) लक्ष्मी जी जिद करने लगीं : **1**

(i) विष्णु जी को निकालने के लिए

(ii) अन्दर बैठाने के लिए

(iii) स्वर्गलोक भ्रमण के लिए

(iv) स्वयं विष्णु के साथ विराजने के लिए

## खंड 'ख'

5. (क) विकारी शब्दों में --- 1

(i) वाक्य परिवर्तन नहीं होता

(ii) शब्द परिवर्तन होता है

(iii) अर्थ परिवर्तन होता है

(iv) लिंग, वचन, काल में परिवर्तन होता है

(ख) अभागी वह करती भी तो क्या करती? रेखांकित शब्द में पदबंध का भेद है 1

(i) संज्ञा

(ii) सर्वनाम

(iii) क्रिया

(iv) विशेषण

(ग) मेरा प्रयाग में रहने वाला मित्र कल आगरा जाएगा रेखांकित हैं 1

(i) पद

(ii) शब्द

(iii) वाक्य

(iv) पदबंध

(घ) सोहन धीरे-धीरे चल रहा है । रेखांकित में पदबंध का भेद है। 1

(i) विशेषण

(ii) सर्वनाम

(iii) क्रिया - विशेषण

(iv) संज्ञा

6. (i) मैं गाय का दूध पीना पसंद करता हूँ । रेखांकित का पद परिचय है - 1

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक

(ख) पुरूषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक

(ग) निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक

(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक

(ii) इंदिरा जी जहाँ जहाँ भी गईं, सर्वत्र स्वागत हुआ । रेखांकित का पद परिचय है । **1**

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्मकारक

(ग) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ताकारक

(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, करणकारक

(iii) मैंने उसे पढ़ाया और नौकरी दिलाई । रचना के आधार पर वाक्य भेद है । **1**

(क) सरल

(ख) संयुक्त

(ग) मिश्रित

(घ) आज्ञावाचक

(iv) वहाँ एक बड़ा गाँव था । वह गाँव चारों ओर जंगल से घिरा था । इन वाक्यों से मिश्रित वाक्य बनाएं **1**

(क) एक बड़ा गाँव था और चारों ओर जंगल से घिरा था ।

(ख) जंगल से घिरा एक बड़ा गाँव था ।

(ग) बहुत बड़े जंगल से घिरे गाँव में एक गाँव था ।

(घ) वहाँ एक बड़ा गाँव था जो चारों तरफ जंगल से घिरा था ।

**7.** (i) जैसे ही चाँद निकला, वैसे ही अंध:कार दूर हो गया। रचना के आधार पर वाक्य भेद है – **1**

(क) समुच्चयबोधक (ख) सरल

(ग) संयुक्त (घ) मिश्रित

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है – **1**

(क) भूकंप आने के कारण कई मकान गिर गए ।

(ख) भूकंप आया और कई मकान गिराए।

(ग) कई मकान गिर गए भूकंप से।

(घ) भूकंप आते ही कई मकान गिर गए ।

(iii) 'धनादेश' का संधि विच्छेद है । **1**

(क) धन + आदेश (ख) धना + आदेश

(ग) धना + देश (घ) धन + देश

(iv) 'भारत + इन्दु' की सन्धि हैं । **1**

(क) भरतइन्दु (ख) भारतेंदू

(ग) भारतइन्दू (घ) भारतेन्दु

8. (i) 'कारावास' में स्वर संधि का कौन सा भेद है । 1

(क) दीर्घ संधि (ख) गुण संधि

(ग) वृद्धि संधि (घ) यण संधि

(ii) ''डाकगाड़ी'' समस्त पद का विग्रह हैं - 1

(क) डाक और गाड़ी (ख) डाक के लिए गाड़ी

(ग) डाक की गाड़ी (घ) गाड़ी पर रखा हुआ डाक

(iii) 'ईश्वर से विमुख' का समस्त पद है । 1

(क) ईश्वर विमुख (ख) ईश्वर उम्मुख

(ग) ईश्वर के पास (घ) ईश्वर से दूर

(iv) किस समस्त पद में तत्पुरूष समास हैं:- 1

(क) शताब्दी (ख) अन्न - जल

(ग) अनाथ (घ) अकाल -पीड़ित

9. (i) राजेश को चकमा देना सरल काम नहीं है उसने तो _____ पी रखा है । उपयुक्त मुहावरें से पूर्ति करो। 1

(क) घाट घाट का पानी (ख) खिचड़ी पकाई

(ग) पापड़ बेलना (घ) छाती पर मूंग दलना

(ii) उससे सावधान रहना । वह तो _____ है । उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । 1

(क) अक्ल का दुश्मन (ख) चिकना घड़ा

(ग) आस्तीन का साँप (घ) चूड़ियाँ पहनना

(iii) 'बगले झाँकना' मुहावरे का अर्थ हैं -- 1

(क) अनुभव होना (ख) आनन्दित होना

(ग) कष्ट होना (घ) निरुत्तर होना

(iv) 'आम के आम गुठलियों के दाम' लोकोक्ति का अर्थ है :- 1

(क) लाभ (ख) हानि

(ग) दोहरा लाभ (घ) दोहरी हानि

## खंड 'ग'

**10.** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -- **5**

सहसा भाई साहब से मेरी मुठभेड़ हो गई, जो शायद बाजार से लौट रहे थे । उन्होंने वहीं हाथ पकड़ लिया और उग्र भाव से बोले – इन बाज़ारी लौंडों के साथ धेले के कनकौए के लिए दौड़ते तुम्हें शर्म नहीं आती ? तुम्हें इसका भी कुछ लिहाज नहीं कि अब नीची जमात में नहीं हो, बल्कि आठवीं जमात में आ गए हो और मुझसे केवल एक दरजा नीचे हो । आखिर आदमी को कुछ तो अपनी पोज़ीशन का ख्याल रखना चाहिए । एक जमाना था कि लोग आठवाँ दरजा पास करके नायब तहसीलदार हो जाते थे । कितने ही आठवीं जमात वाले हमारे लीडर और समाचारपत्रों के संपादक हैं ।

(क) भाईसाहब से किसकी मुठभेड़ हो गई थी ? **1**

(ख) भाईसाहब ने क्या कहकर लेखक को डाँटा ? **2**

(ग) भाईसाहब से मुठभेड़ के समय लेखक क्या कर रहा था ? **2**

**अथवा**

छह वर्षों के अंतराल में राजकपूर द्वारा अभिनीत कई फिल्में प्रदर्शित हुईं, जिनमें सन 1966 में प्रदर्शित कवि शैलेन्द्र की 'तीसरी कसम' भी शामिल है । यह वह फिल्म है जिसमें राजकपूर ने अपने जीवन की सर्वोत्कृष्ट भूमिका अदा की । यही नहीं, 'तीसरी कसम' वह फिल्म है जिसने हिंदी साहित्य की एक अत्यंत मार्मिक कृति को सॅल्यूलाईड पर पूरी सार्थकता से उतारा । तीसरी कसम फिल्म नहीं, सैल्यूलाईड पर लिखी एक कविता थी । 'तीसरी कसम' शैलेन्द्र के जीवन की पहली और अंतिम फिल्म है ।'तीसरी कसम' को राष्ट्रपति स्वर्णपदक मिला, बंगाल फिल्म जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा सर्वश्रेष्ठ फिल्म कई अन्य पुरस्कारों द्वारा सम्मानित किया गया ।

(क) 'तीसरी कसम' फिल्म के मुख्य कलाकार का नाम क्या था ? **1**

(ख) सैल्यूलाईड का क्या अर्थ है ? **1**

(ग) 'तीसरी कसम' किसके जीवन की पहली और अंतिम फिल्म थी ? किन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया ? **2**

(घ) 'तीसरी कसम' कैसी फिल्म है ? **1**

**11.** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **2x2.5=5**

(क) बड़े भाई छोटे भाई को क्या सलाह देते थे और क्यों ?

(ख) धर्म तल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस क्यों टूट गया ?

(ग) मना करने के बाद भी वामीरो ततॉंरा से मिलने क्यों गई ?

(घ) 'तीसरी कसम' फिल्म को खरीददार क्यों नहीं मिल रहे थे ?

12. प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति प्रदर्शन के लिए किस प्रकार के आयोजन किए जाते थे? 5

**अथवा**

सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी?

13. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए।

ऐसी बाँणी बोलिये, मन का आपा खोइ ।
अपना तन सीतल करें, औरन कौं सुख होइ ।।
कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माँहि ।
ऐसैं घटि घटि राम हैं, दुनियाँ देखै नाँहिं ।।

(i) कवि ने कैसी वाणी बोलने की बात कही है? 1

(क) अहंकार रहित और शीतल (ख) कड़वी और शीतल
(ग) खट्टी और मधुर (घ) कसैली और शीतल

(ii) उपर्युक्त दोहों की भाषा है 1

(क) ब्रजभाषा (ख) खड़ीबोली
(ग) सधुक्कड़ी (घ) अवधी

(iii) मृग वन में ढूँढता है । 1

(क) सोने को (ख) कस्तूरी को
(ग) मोती को (घ) मृगी को

(iv) संसार किस तथ्य से अंजान है? 1

(क) ईश्वर है (ख) ईश्वर नहीं है
(ग) ईश्वर आत्मा में है (घ) ईश्वर संसार में है

(v) 'तन सीतल' का क्या अभिप्राय है? 1

(क) ठंडा शरीर (ख) मन की शांति
(ग) मन का सुख (घ) शरीर का सुख

**अथवा**

कंपनी बाग के मुहाने पर

धर रखी गई हैं यह 1857 की तोप

इसकी होती है बड़ी सम्हात, विरासत में मिले

कंपनी बाग की तरह

साल में चमकाई जाती है दो बार ।

सुबह-शाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत से सैलानी

उन्हें बताती है यह तोप

कि मैं बड़ी जबर

उड़ा दिए थे मैंने

अच्छे अच्छे सूरमाओं के धज्जे

अपने ज़माने में

(i) 'तोप' से क्या प्रेरणा मिलती है? **1**

(क) बड़े से बड़े अत्याचारी का अंत अवश्य होता है ।

(ख) अत्याचारी का कभी अंत नहीं होता ।

(ग) अंग्रेजों को 'देश में घुसने नहीं देना चाहिए ।

(घ) अत्याचार का मुकाबला करना चाहिए ।

(ii) 'तोप' कहाँ रखी है? **1**

(क) कम्पनी बाग में

(ख) कम्पनी बाग के प्रवेश द्वार पर

(ग) ईस्ट इण्डिया कम्पनी के हाथ में

(घ) प्रवेश द्वार पर

(iii) 'तोप' कब की हैं? 1

(क) 1847 के समय

(ख) 1867 के समय

(ग) 1857 के समय

(घ) 1875 के समय

(iv) कम्पनी बाग में आते हैं ---- 1

(क) अंग्रेज

(ख) भारतीय

(ग) बच्चे

(घ) सैलानी

(v) कवि का नाम है --- 1

(क) मंगलेश डबराल

(ख) वीरेन डंगवाल

(ग) ऋतुराज

(घ) रामवृक्ष बेनीपुरी

**14.** (क) ''ईश्वर कण - कण में व्याप्त है'' हम उसको क्यों नहीं देख पातें ? 1

(ख) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए 2

(ग) मीरा ने अपने पदों में प्रभु को क्या क्या नाम दिए? 2

**15.** कथावाचक और हरिहर काका के बीच क्या संबंध है? 3

**अथवा**

अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते थे । कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

**16.** कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने यह क्यों कहा - ''अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरते हैं । ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को वरण करने के लिए तैयार हो जाता है? 2

## खण्ड - घ

**17.** दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखे। **5**

(क) **आतंकवाद : एक समस्या**

आतंकवाद शब्द, उद्देश्य

विश्वव्यापी समस्या

कारण

आतंकवाद के दुष्परिणाम

आतंकवाद से सुरक्षा

(ख) **कम्प्यूटर : आज की जरूरत**

कम्प्यूटर का बढ़ता प्रयोग

कम्प्यूटर की विभिन्न क्षेत्रों में भूमिका

मनोरंजन एक शिक्षा का माध्यम

(ग) **पराधीन सपने हूँ सुख नाही**

स्वतंत्रता का महत्त्व

पराधीनता का कलंक

पराधीनता का स्वरूप

**18.** विद्यार्थियों की शिकायत है कि विद्यालय में खेल का सामान उचित मात्रा में उपलब्ध नहीं है । प्रधानाचार्य को सामान की उचित व्यवस्था हेतु पत्र लिखिए। **5**

**अथवा**

'नवभारत टाइम्स' के संपादक को टेलिफोन की खराबी के लिए शिकायती पत्र लिखकर उनका ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कीजिए ।

**- o O o -**